686

# SA-04

## December - Examination 2019

## B.A. Pt. II Examination

## Gadhya Samas-Prakaran Tatha Nibandh

## गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध

## Paper - SA-04

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 70**

**निर्देश :** यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड – 'अ'** **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) शिवराज विजयम् गद्य की किस प्रकार की विधा है?

(ii) चतुर्विध रीतियों का नामोल्लेख कीजिए?

(iii) जटाभिर्ब्रह्मचारी रेखांकित पद में तृतीया किस सूत्र से हुई है?

(iv) कथा एवं आख्यायिका में क्या अन्तर है?

(v) सोमनाथ मन्दिर विध्वंस किस शासक के द्वारा किया गया?

(vi) शुकनासोपदेश किस गद्य ग्रन्थ का भाग है?

(vii) शिवराज विजयम् के अनुसार शिवाजी के प्रधान गुप्तचर का क्या नाम है?

## खण्ड – ब $4 \times 7 = 28$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिये?

(अ) तस्मित् पर्वते आसीदेको महाकन्दरः। तस्मिनेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीण–ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमशः इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

अथवा

(ब) यावदेव ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जं समुद्धूय कुसुमकोरकानवचिनोति; तावत् तस्यैव सतीभ्योऽपरस्तत्समानवयाः कस्तूरिका–रेणु रुषित इच श्यामः, चन्दन–चर्चित–भालः, कर्पूरागुरु–क्षोद–च्छुरित–वक्षो–बाहु–दण्डः, सुगन्ध–पटलैरुन्निद्रयन्निव निद्रामन्थराणि कोरक–निकुरम्बकान्तरालसुप्तानि मिलिन्दवृन्दानि झटिति समुपसृत्य निवारयन् गौरबटुमेवमवादीत्।

3) निम्न में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिये –

(अ) गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य, इतरस्य तु करिण इव शंखाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरमुपजजनयति। हरत्यतिमलिनमन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरुपदेशः। प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इच पलितरूपपेण शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति। अयमेव चानास्वादितविषयरसस्य ते काल उपदेशस्य।

कुसुमप्रहारजर्जरिते हि हृदि जलमिव गलत्युपदिष्टम्। अकारणं च भवति दुश्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं च विनयस्य। चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः। कि वा प्रशमहेतुनापि न प्रचंडतरीभवति बडवानलो वारिणा।

अथवा

(ब) आलोकयतु तावत् कल्याणाभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम्। इयं हि सुभटख ड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात् पारिजातपल्लवेभ्यो रागम्, इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चैश्रवसश्च चलताम् कालकूटान् मोहनशक्तिम्, मदिराया मदम्, कौस्तुभमणेरतिनैष्ठुर्यम्, इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद् विरहविनोदचिन्हानि गृहीत्वैवोद्गता।

4) शिवराजविजयम् के आधार पर अफजल खाँ का चरित्र चित्रण कीजिए?

5) समास किसे कहते हैं? लौकिक एवं अलौकिक विग्रह में क्या अन्तर है?

6) बाणभट्ट की मुख्य कृतियों का नामोल्लेख करते हुए कादम्बरी का वर्णन कीजिए?

7) निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिये –

(अ) उपसर्जन पूर्वम् ।

(ब) तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन।

8) निम्नलिखित समस्तपद की सूत्रनिर्देश पूर्वक रूपसिद्धि कीजिये –

(अ) चौरभयम्।

(ब) राजपुरुषः।

9) शुकनासोपदेश के आधार पर गुरुमहिमा को संक्षेप में स्पष्ठ कीजिए?

**खण्ड – स** **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी के दोषों का वर्णन कीजिए?

11) शिवराजविजयम् के आधार पर तत्कालीन समाज का वर्णन कीजिए?

12) शिवराजविजयम् में रस योजना पर विशद निबन्ध लिखिए?

13) निम्न में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए।

(अ) परोपकारः।

(ब) सदाचारः।

(क) अस्माकं राष्ट्रीया समस्या।